Date – 9 June 2022

पूर्व-संप्रति-X व्यायाम

- भारत-बांग्लादेश संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास 'पूर्व संप्रति-एक्स' (पूर्व संप्रति-एक्स) का आयोजन 05 जून से 16 जून, 2022 तक जशोर सैन्य स्टेशन, बांग्लादेश में किया जा रहा है।

परिचय:

- अभ्यास संप्रति एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा सहयोग है जो दोनों देशों द्वारा बारी-बारी से संचालित किया जाता है, जिसमें दोनों देशों की सेनाओं के बीच अंतर्संचालनीयता और सहयोग को गहरा और चौड़ा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

उद्देश्य:

- दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को मजबूत करना और एक दूसरे के सामरिक अभ्यासों और परिचालन तकनीकों को समझना।

भारत का प्रतिनिधित्व:

- इस अभ्यास में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व डोगरा रेजीमेंट की एक बटालियन द्वारा किया जा रहा है।

महत्त्व:

- संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान, दोनों देशों की सेना संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत आतंकवाद, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे मामलों में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के कई परिदृश्यों में अपनी विशेषज्ञता साझा करेगी।
- इस संयुक्त सैन्य अभ्यास में शामिल प्रतिभागी एक दूसरे के संगठनात्मक ढांचे और सामरिक अभ्यास से परिचित हो सकेंगे।

स्वदीप कुमार

EX Khan Quest 2022

YOJNA IAS

- 16 देशों के सैनिकों को शामिल करते हुए एक बहुराष्ट्रीय शांति अभ्यास "EX खान क्वेस्ट 2022" मंगोलिया में शुरू हो गया है।
- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व लद्दाख स्काउट्स के एक दल द्वारा किया जाता है।
- नोमतिक एलीफेंट एक अन्य सैन्य अभ्यास है जो दोनों देशों के बीच आयोजित किया जाता है।

EX Khan Quest 2022:

- खान क्वेस्ट 2022 मंगोलिया में आयोजित एक बहुराष्ट्रीय शांति मिशन है।
- इसमें मंगोलियाई सशस्त्र बलों के फाइव हिल्स माउंटेन ट्रेनिंग एरिया में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन कमांड पोस्ट अभ्यास और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान (पीकेओ) मिशन फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास शामिल हैं।
- अभ्यास को शांति स्थापना क्षमताओं में सुधार, सैन्य संबंधों को मजबूत करने और सभी प्रतिभागियों की संयुक्त राष्ट्र सिद्धांत पीकेओ दक्षताओं को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- 2008 का सिद्धांत इसकी पुष्टि करता है और एक समकालीन समझ प्रदान करता है कि संयुक्त राष्ट्र तीन बुनियादी शांति सिद्धांतों को कैसे लागू कर सकता है, अर्थात्: आत्मरक्षा और जनादेश की रक्षा को छोड़कर सहमति, निष्पक्षता और बल का उपयोग न करना।
- अभ्यास भाग लेने वाले देशों के सशस्त्र बलों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में भी सक्षम होगा और इसमें क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास, युद्ध चर्चा, व्याख्यान और प्रदर्शन शामिल होंगे।
- सैन्य अभ्यास भारतीय सेना और भाग लेने वाले देशों, विशेष रूप से मंगोलिया के सशस्त्र बलों के बीच रक्षा सहयोग के स्तर को बढ़ाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में वृद्धि होगी।

स्वदीप कुमार

भारत-बांग्लादेश यात्री ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू

- भारत-बांग्लादेश यात्री ट्रेन सेवाओं को हाल ही में फिर से शुरू किया गया है, दो साल बाद COVID-19 महामारी की शुरुआत के कारण ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।

ट्रेन सेवाओं को फिर से शुरू करने के बाद, निम्नलिखित ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना किया गया है:

- ढाका से कोलकाता के लिए मैत्री एक्सप्रेस।
- न्यू जलपाईगुड़ी से ढाका के बीच मिताली एक्सप्रेस।
- बंधन एक्सप्रेस कोलकाता से खुलना तक।

भारत और बांग्लादेश के बीच अन्य महत्वपूर्ण रेल संपर्क:

- पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश)
- गेदे (भारत) -दर्शन (बांग्लादेश)

- सिंहाबाद (भारत)-रोहनपुर (बांग्लादेश)
- राधिकापुर (भारत)-बिरोल (बांग्लादेश)
- हल्दीबाड़ी (भारत) – चिल्हाटी (बांग्लादेश)
- अगरतला (भारत) – अखौरा (बांग्लादेश)

भारत-बांग्लादेश संबंध:

ऐतिहासिक संबंध:

- भारत ने 50 साल पहले वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में अभूतपूर्व सहयोग किया क्योंकि इसने बांग्लादेश के नए राष्ट्र के गठन में मदद की।

रक्षा सहयोग:

संयुक्त अभ्यास:

- संप्रीति (सेना) व्यायाम
- टेबल टॉप (AF)
- IN-BN कॉर्पेट (नौसेना)
- बोंगोसागर व्यायाम (नौसेना)
- बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात के साथ संवाद (बहुराष्ट्रीय मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास)
- **सीमा प्रबंधन:** भारत किसी भी पड़ोसी देश के बांग्लादेश (7 किमी) के साथ सबसे लंबी भूमि सीमा साझा करता है।

आर्थिक संबंध:

- बांग्लादेश उपमहाद्वीप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, दोनों देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2019-20) है, जो पिछले वित्त वर्ष (2018-19) की तुलना में 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि को पार कर गया है।
- बांग्लादेश को भारत का निर्यात कुल द्विपक्षीय व्यापार का 85% से अधिक है।
- द्विपक्षीय व्यापार सहयोग को और बढ़ावा देने के लिए दिसंबर 2020 में भारत-बांग्लादेश सीईओ फोरम की शुरुआत की गई थी।

- बांग्लादेश ने 2011 से दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के तहत भारत को बांग्लादेश द्वारा माल के शुल्क-मुक्त और कोटा-मुक्त निर्यात की सराहना की है।

कनेक्टिविटी समर्थन:

- मार्च 2021 में, भारत में सबरूम और बांग्लादेश में रामगढ़ को जोड़ने वाले फेनी नदी पर 9 किमी के मैत्री पुल का भी उद्घाटन किया गया।
- अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार पर प्रोटोकॉल (PIWTT)।
- बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल (बीबीआईएन) मोटर वाहन समझौते पर बातचीत चल रही है।

बहुपक्षीय मंचों में भागीदारी:

- दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क)
- बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक)
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए)

अन्य विकास:

लाइन ऑफ क्रेडिट:

- भारत ने सड़क, रेलवे, शिपिंग और बंदरगाहों सहित कई क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पिछले 8 वर्षों में बांग्लादेश को 8 बिलियन अमरीकी डालर की 3 लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) प्रदान की है।

COVID-19 सहायता:

- बांग्लादेश मेड इन इंडिया COVID-19 वैक्सीन खुराक का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है, जो कुल आपूर्ति का 16% है।
- भारत ने चिकित्सा विज्ञान में भागीदारी और टीके के उत्पादन में सहयोग की भी पेशकश की।

उभरते विवाद:

- बांग्लादेश ने असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लागू करने पर पहले ही चिंता जताई है, एक विवरण जिसे असम में रहने वाले मूल भारतीय नागरिकों की पहचान करने और अवैध बांग्लादेशियों को बाहर निकालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- बांग्लादेश वर्तमान में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में एक सक्रिय भागीदार है, जिस पर दिल्ली ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं।
- बांग्लादेश सुरक्षा क्षेत्र में पनडुब्बियों सहित चीनी सेना का एक प्रमुख प्राप्तकर्ता भी है।

स्वदीप कुमार

YOJNA IAS